RNI No.: RAJBIL/2013/54153

ISSN : 2322-0074

अलख दृष्टि

ALAKH DRISHTI

(भाषा, दर्शन, साहित्य, संस्कृति एवं मानविकी की संवाहिका त्रैमासिक शोध पत्रिका)

वर्ष-3 • अंक-12 • त्रैमासिक • अक्टूबर-दिसम्बर, 2015

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	लेखक	पृष्ठ सं.
01.	संस्कृत वाङ्मय में भाषा चिन्तन	प्रो. लोकमान्य मिश्र	06-11
02.	जैन पुराणों में वर्णित सल्लेखना	प्रो. विजय कुमार जैन	12-16
03.	भाषाः समस्या एवं समाधान	डॉ. अमिता जैन	17-19
04.	अवतारवाद का जैनदृष्टि से विमर्श	डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा	20-24
05.	गुरु की महत्ता	श्रीमती कान्ता पारीक	25-27
06.	प्राचीन लोकगीतों में सल्लेखना/समाधिमरण	डॉ. श्रीमती राका जैन	28-34
07.	निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के पर्याय 'सत्य भारती विद्यालय'	अंकुश शर्मा	35-37
08.	श्रीमद्भगवद् गीता में तन-मन और भव रोग से मुक्ति	डॉ. प्रकाश वर्मा (सोनी)	38-42
09.	Need of Continuous and comprehensive Evaluation in Education	P. K. Pandia	43-47
10.	The Real Scenano of Higher Education	Ms. Tripti Dubey	48-52
11.	Teaching English at College Level : An Evaluative Study	Chitra Dadheech	53-57

Scanned with CamScanner